राजस्थान लोक सेवा आयोग, अजमेर

सहायक आचार्य – राजस्थानी कॉलेज शिक्षा विभाग के पदों हेतु प्रतियोगी परीक्षा का पाठ्यक्रम

प्रथम प्रश्न–पत्र

इकाई 1– राजस्थानी भाषा एवं व्याकरण

- राजस्थानी भाषा का उद्‌भव एवं विकास
- राजस्थानी भाषा की प्रमुख बोलियाँ एवं उनका क्षेत्र (मारवाड़ी, मेवाड़ी, हाड़ौती, वागड़ी, मेवाती, मालवी)
- राजस्थानी लिपि मुड़िया (महाजनी)
- राजस्थानी वर्णमाला
- राजस्थानी की विशिष्ट ध्वनियाँ
- राजस्थानी व्याकरणः सामान्य ज्ञान– संज्ञा, सर्वनाम, लिंग, वचन, कारक, विशेषण, क्रिया, समास, उपसर्ग, पर्यायवाची शब्द, विलोम शब्द, युग्म शब्द, अनेकार्थी शब्द, तत्सम, तद्‌भव, देशज शब्द
- राजस्थानी शब्दकोश लेखन परम्परा

इकाई 2– साहित्यशास्त्र एवं पाठालोचन

- साहित्य शास्त्र– साहित्य का स्वरूप तथा विवेचन, भारतीय एवं पाश्चात्य दृष्टि से, साहित्य के तत्व, काव्य की मूल प्रेरणा एवं प्रयोजन
- भारतीय काव्य शास्त्र– रस सि़द्धांत, रस निष्पत्ति, साधारणीकरण, अलंकार सम्प्रदाय, वक्रोक्ति सि़द्धांत, ध्वनि सि़द्धांत
- पश्चात्य काव्य शास्त्र–अरस्तु के काव्य सि़द्धांत – अनुकृति सि़द्धांत एव विरेचन सि़द्धांत, क्रोंचे का अभिव्यंजनावाद, आई.ए. रिचर्डस के मूल्य का सिद्वान्त, कॉलरिज परम्परावाद, स्वच्छन्दतावाद का सि़द्धांत
- पाठालोचन सि़द्धांत और प्रकिया– पाठालोचन की परिभाषा, स्वरूप, सामान्य परिचय, महत्व, मूलपाठ प्रति, आदर्शप्रति, प्रतिलिपि, पाण्डुलिपि
- पाठालोचन की प्रकिया, पाठालोचन का सि़द्धांत, प्रमुख राजस्थानी ग्रन्थों का पाठसम्पादन तथा सम्पादक

इकाई 3– राजस्थानी काव्यशास्त्र

- राजस्थानी काव्यशास्त्र की पृष्ठभूमि, प्राकृत–अपभ्रंश के प्रमुख लक्षण
- राजस्थानी के प्रमुख लक्षण ग्रन्थ– नागराज पिंगल़, पिंगल़ शिरोमणि, रघुनाथरूपक गीतां रो, रघुवरजस प्रकाश, कविकुलबोध, डिंगल कोश
- शब्द शक्ति
- छन्द – दोहा, सोरठा, कुण्डलिया, छप्पय, निसांणी, चौपाई, झमाल, झुलणा, रेणुकी
- अलंकार, वयणसगाई, रूपक, उपमा, उम्प्रेक्षा, यमक, श्लेष, वक्रोक्ति, अतिश्योक्ति, व्याजस्तुति, सन्देह
- काव्य दोष– छवकाल़, अपस, अमगंल, नालछेद, बहरौ

इकाई 4– प्राचीन एवं मध्यकालीन राजस्थानी पद्य

- ऐतिहासिक पृष्ठभूमि
- प्रमुख रचनाकार एवं रचनाएँ – वर्गीकरण, विषयवस्तु एवं विशेषताएं
- प्रमुख प्रवृत्तियाँ – वीर, भक्ति, श्रृंगार, नीति, रीति, प्रेमाख्यान एवं प्रकृति परक
- प्रमुख काव्य रूप– रासो, वेलि, फागु, पवाड़ा, बारहमासा, सिलोका, संधि, विवाहलो, स्तवन, हीयाली, चरित
- प्रमुख काव्य प्रकार– प्रबन्ध काव्य (महाकाव्य, खण्डकाव्य), मुक्तक काव्य
- प्रमुख सन्त सम्प्रदाय– नाथ, गूदड़, जसनाथी, चरणदासी, लालदासी, निरंजनी, आई पंथ

इकाई 5– प्राचीन एवं मध्यकालीन राजस्थानी गद्य

- ऐतिहासिक पृष्ठभूमि
- प्रमुख रचनाकार एवं रचनाएँ – वर्गीकरण, विषयवस्तु एवं विशेषताएं
- प्रमुख प्रवृत्तियाँ – वीर, भक्ति, श्रृंगार, नीति, रीति, प्रेमाख्यान एवं प्रकृति परक
- प्रमुख गद्य रूप– बात, ख्यात, विगत, वचनिका, दवाबैत, बालावबोध, टीका, टब्बा, वंशावली, गुर्वावली, पट्टा

****

Note: - <u>Pattern of Question Paper</u>

1. Objective type paper
2. Maximum Marks: 75
3. Number of Questions: 150
4. Duration of Paper: Three Hours
5. All questions carry equal marks.
6. There will be Negative Marking.